अल्प वर्षा की आशंका पर सरकार सतर्क कम पानी वाली फसलें अपनाने की सलाह

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने संभावित अल्प वर्षा की स्थिति को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को समन्वित तैयारी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस चुनौती को संकट नहीं, बल्कि बेहतर योजना, वैज्ञानिक खेती और समयबद्ध तैयारी के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। मंत्रालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कृषि, जल संसाधन, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित विभिन्न विभागों की तैयारियों का आकलन किया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को कम पानी और कम अवधि में तैयार होने वाली फसलों के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंग, तुअर तथा कोदो-कुटकी जैसी मोटे अनाज और दलहनी फसलों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। साथ ही किसानों को पर्याप्त नमी आने के बाद ही बुआई करने, नमी संरक्षण तकनीक अपनाने तथा उन्नत बीजों और आधुनिक कृषि पद्धतियों का उपयोग करने की सलाह देने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की सलाह गांव-गांव तक पहुंचाई जाए, ताकि किसान स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त फसल का चयन कर सकें। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि किसानों के हितों की रक्षा और कृषि उत्पादन बनाए रखने के लिए राज्य सरकार हर आवश्यक कदम उठाएगी।

बैठक में आगामी दो वर्षों के लिए जल संरक्षण और जल प्रबंधन की व्यापक कार्ययोजना भी प्रस्तुत की गई। इसके तहत सभी नगरीय निकायों में वैकल्पिक जल स्रोतों की पहचान, टैंकर व्यवस्था की आकस्मिक योजना तथा अमृत 2.0 की जल प्रदाय परियोजनाओं को समयबद्ध पूरा करने पर जोर दिया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बंद और अपूर्ण नल-जल योजनाओं की मरम्मत के लिए 90 दिवसीय अभियान चलाया जाएगा।

सरकार 'जलाभिषेक 2.0' अभियान के तहत पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुओं के जीर्णोद्धार के साथ प्रत्येक विकासखंड में जल संरचनाओं के पुनर्जीवन का कार्य करेगी। भूजल पुनर्भरण के लिए चेक डैम, स्टॉप डैम, रिचार्ज शाफ्ट और खेत-तालाब निर्माण को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जाएगा। प्रमुख जलाशयों के संचालन के लिए पेयजल, सिंचाई और विद्युत उत्पादन की प्राथमिकता तय की जाएगी।बैठक में राज्य स्तरीय जल डैशबोर्ड तैयार कर रियल-टाइम निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणाली विकसित करने, प्रत्येक जिले में जल संकट आकस्मिक योजना बनाने, फसल बीमा कवरेज बढ़ाने तथा डिजिटल क्रॉप सर्वे और सैटेलाइट आधारित क्षति आकलन प्रणाली को प्रभावी बनाने पर भी निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने और किसानों तक मौसम संबंधी सलाह नियमित रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचार राष्ट्र निर्माण के प्रेरणास्रोत : डॉ. महेंद्र सिंह

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपाल/ग्वालियर : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेंद्र सिंह ने ग्वालियर में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर आयोजित स्मरण पखवाड़े के अंतर्गत जिला कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, त्याग और समर्पण का अनुपम उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि उनके विचार आज भी राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रीय एकता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। डॉ. महेंद्र सिंह ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। उनके संघर्ष और बलिदान को देश हमेशा याद रखेगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है, जो डॉ. मुखर्जी के सपनों को साकार करने का प्रयास है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाएं और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का जनआंदोलन है, जिसकी सबसे बड़ी ताकत समर्पित कार्यकर्ता हैं।

ग्वालियर के बाद डॉ. महेंद्र सिंह ने भिंड में संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर जिला पदाधिकारियों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की बैठक को भी संबोधित किया।

उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से समाज सेवा, संगठन सशक्तीकरण और जनसंपर्क अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। सम्मेलन में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मानसून ने पूरे मध्य प्रदेश को किया कवर, कई जिलों में झमाझम बारिश

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मानसून ने गुरुवार को पूरे मध्य प्रदेश को कवर कर लिया। भोपाल, पांढुर्णा, सीहोर, रतलाम, ग्वालियर, रीवा, दमोह, सतना, खरगोन, हरदा और शाजापुर समेत कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। कई स्थानों पर नदी-नाले उफान पर आ गए और जलभराव से बाढ़ जैसे हालात बन गए। सतना में बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक युवक की मौत हो गई, जबकि महारानी लक्ष्मी बाई गर्ल्स स्कूल परिसर में पेड़ गिरने से दो युवतियां घायल हो गईं।

दमोह जिले में चार इंच से अधिक बारिश दर्ज की गई। तेंदूखेड़ा क्षेत्र में ब्यारमा नदी उफान पर आने से जैतगढ़ के पास पुलिया डूब गई, जिससे तेंदूखेड़ा-तारादेही मार्ग बंद हो गया और दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। इंदौर के अहीरखेड़ी-काकड़ क्षेत्र में रपटा पार करते समय दो बाइक सवार तेज बहाव में बह गए। एक युवक को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। शहर के कई इलाकों में जलभराव और नाले में वाहन गिरने जैसी घटनाएं भी सामने आईं।

मौसम विभाग ने हरदा, नर्मदापुरम, रायसेन, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा और बालाघाट में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटों में 4 से 8 इंच तक बारिश की संभावना है। वहीं अशोकनगर, देवास, खंडवा, बैतूल, सागर, मंडला और डिंडौरी में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

प्रदेश में मानसून की एंट्री 24 जून को हुई थी और नौ दिनों में पूरे राज्य को कवर कर लिया। हालांकि अब तक प्रदेश में 100.2 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य 139.7 मिमी की तुलना में लगभग 28 प्रतिशत कम है। मौसम विभाग का कहना है कि जून में बारिश कम रही, लेकिन जुलाई में सामान्य से बेहतर वर्षा की उम्मीद है, जिससे खरीफ फसलों की बुवाई और जलाशयों की स्थिति में सुधार होगा।

एमपी में अब पुलिसकर्मियों की छुट्टी ऑनलाइन होगी मंजूर

▸▸ पुलिस हेडक्वार्टर ने सभी यूनिटों,में लागू किया ईएचआरएमएस सिस्टम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश पुलिस में अब अवकाश के लिए कागजी कार्रवाई से छुटकारा मिल गया है। पुलिस मुख्यालय ने सभी 120 पुलिस यूनिट में ईएचआरएमएस पोर्टल और मोबाइल एप के जरिए ऑनलाइन अवकाश मंजूरी सिस्टम लागू कर दिया है। अब सिपाही से लेकर इंस्पेक्टर तक मोबाइल से ही छुट्टी के लिए आवेदन कर सकेंगे।

एआईजी प्रशासन तरुण नायक ने बताया कि नया सिस्टम 1 जुलाई से पूरे प्रदेश में लागू हो गया है। इसके तहत पुलिसकर्मी द्र।ऋऋ मोबाइल एप या पोर्टल पर लॉगिन कर ष्टरु श्वरु मेडिकल लीव के लिए आवेदन कर सकेंगे। आवेदन सीधे संबंधित अधिकारी के पास पहुंचेगा और वहीं से ऑनलाइन स्वीकृत या अस्वीकृत होगा। स्वीकृति का मैसेज आवेदक के मोबाइल पर तुरंत आ जाएगा।

अभी तक पुलिसकर्मियों को छुट्टी के लिए कागज पर आवेदन देना पड़ता था, जो कई टेबल से होकर गुजरता था। इससे मंजूरी में देरी होती थी और रिकॉर्ड भी मैनुअल रखना पड़ता था। नए सिस्टम से पारदर्शिता आएगी और समय की बचत होगी।

पीएचक्यू ने सभी जिला एसपी, कमांडेंट और यूनिट प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधीनस्थ स्टाफ का ईएचआरएमएस पर रजिस्ट्रेशन कराएं। सिस्टम में अवकाश का पूरा रिकॉर्ड डिजिटल रहेगा, जिससे ड्यूटी रोस्टर बनाने में भी आसानी होगी। आपात स्थिति में भी अधिकारी मोबाइल से ही छुट्टी मंजूर कर सकेंगे। पुलिस महकमे में करीब 1.20 लाख का बल है। नए सिस्टम से सबसे ज्यादा फायदा थानों में तैनात सिपाही-हवलदार को होगा, जिन्हें छुट्टी के लिए चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

सागर, मुरैना और ग्वालियर में शुरू हुए नए आधार सेवा केंद्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः *नागरिकों को आधार संबंधी सेवाएं अधिक सुगमता और दक्षता के साथ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने मध्यप्रदेश के सागर, मुरैना और ग्वालियर में नए आधार सेवा केंद्र शुरू किए हैं। ग्वालियर केंद्र का शुभारंभ कलेक्टर रुचिका चौहान तथा मुरैना केंद्र का उद्घाटन कलेक्टर लोकेश जांगिड़ ने किया। नए केंद्र मुरैना के जौरा रोड, सागर के अशोक विहार कॉलोनी और ग्वालियर के हर्षनगर क्षेत्र में स्थापित किए गए हैं। ये सप्ताह के सातों दिन संचालित होंगे। यहां आधार नामांकन, जनसांख्यिकीय एवं बायोमेट्रिक अपडेट सहित सभी प्रमुख आधार सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। केंद्रों पर आधुनिक सुविधाओं के साथ दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों और गर्भवती महिलाओं के लिए अलग सेवा काउंटर भी बनाए गए हैं। प्रदेश में अब यूआईडीएआई के आधार सेवा केंद्र भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, उज्जैन, राजगढ़, रायसेन, विदिशा, भिंड, सागर और मुरैना सहित 12 जिलों में संचालित हो रहे हैं।*

राजधानी में हुआ त्रिपुरा के सीएम डॉ. साहा का स्वागत

चिकित्सा नवाचारों पर उपमुख्यमंत्री शुक्ल से हुई चर्चा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा का गुरुवार को भोपाल स्थित निवास कार्यालय में मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों, सहयोग और विभिन्न समसामयिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में डॉ. साहा की धर्मपत्नी स्वप्ना साहा भी मौजूद रहीं। डॉ. माणिक साहा मध्यप्रदेश प्रवास पर हैं और भोपाल में आयोजित 28वें एओएमएसआई मिड-टर्म कन्वेंशन तथा 14वें एओएमएसआई पोस्टग्रेजुएट कन्वेंशन 'मिडकॉम्स-2026' में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यह राष्ट्रीय सम्मेलन 2 से 4 जुलाई तक पीपुल्स यूनिवर्सिटी परिसर में आयोजित किया जा रहा है। एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स ऑफ इंडिया के मध्यप्रदेश स्टेट चैप्टर तथा पीपुल्स यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मेलन की थीम 'क्रिएटिंग अ होलसम सर्जन' रखी गई है। सम्मेलन में देश-विदेश के विशेषज्ञ चिकित्सक, चिकित्सा शिक्षक, शोधकर्ता और स्नातकोत्तर विद्यार्थी भाग लेंगे। आयोजन के दौरान ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी से जुड़े नवीनतम वैज्ञानिक अनुसंधान, आधुनिक शल्य चिकित्सा तकनीकों और चिकित्सा शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

राज्य स्तरीय सहकारी प्रदर्शनी का शुभारंभ

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः सहकारिता मंत्रालय की स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सहकारी सप्ताह के तहत मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्यादित द्वारा तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सहकारी प्रदर्शनी का गुरुवार को शुभारंभ किया गया।

सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और विभिन्न सहकारी संस्थाओं, महिला स्व-सहायता समूहों तथा उत्पादक संगठनों के स्टॉलों का अवलोकन किया। श्री सारंग ने कहा कि सहकारिता किसानों, महिलाओं, युवाओं और ग्रामीण उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। सहकारी संस्थाओं के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि 29 जून से 5 जुलाई तक प्रदेशभर में सहकारी सप्ताह के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। राज्य स्तरीय प्रदर्शनी के माध्यम से सहकारिता क्षेत्र की उपलब्धियों, नवाचारों और योजनाओं को आमजन के सामने प्रस्तुत किया गया है। इससे सहकारी संस्थाओं को नए बाजार मिलेंगे और उनके उत्पादों का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा।

कार्यक्रम में मंत्री सारंग ने हस्तशिल्प कारीगरों और महिला स्व-सहायता समूहों को सिलाई मशीन सहित विभिन्न टूल किट वितरित किए तथा परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

प्रदर्शनी में सांची, मार्कफेड, इफको, कृभको, नेफेड, अपेक्स बैंक, नाबार्ड और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम सहित अनेक संस्थाओं ने कृषि, दुग्ध, बीज, उर्वरक, बैंकिंग, महिला सशक्तिकरण, हस्तशिल्प और ग्रामीण आजीविका से जुड़े उत्पाद एवं सेवाएं प्रदर्शित की हैं। यह प्रदर्शनी 4 जुलाई तक आम नागरिकों के लिए खुली रहेगी।

स्टेट बार चुनाव में राकेश सिंह भदौरिया मतगणना में अभी तक शीर्ष पर कायम

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश स्टेट बार काउंसिल चुनाव- 2026 की मतगणना लगातार रोमांचक होती जा रही हैं। 12वें दिन ग्वालियर के अधिवक्ता गौरव मिश्रा ने 1000 वोटों का आंकड़ा पार कर 'हजार के क्लब' में एंट्री कर ली, जबकि इंदौर के राकेशसिंह भदौरिया 1174 वोटों के साथ पहले स्थान पर मजबूती से बने हुए हैं। अब सबकी नजर इंदौर की मतपेटियों पर टिकी हैं। जहां से चुनावी समीकरण बदल सकते हैं।

12वें दिन पूरी हुई इन जिलों की मतगणनाः मुख्य चुनाव अधिकारी रिटायर्ड जस्टिस एसके. पालो तथा सहायक चुनाव अधिकारी ज्ञानेन्द्रसिंह बघेल और दीपक अवस्थी के अनुसार 12वें दिन ग्वालियर, हरदा और नर्मदापुरम जिले एवं तहसील बार एसोसिएशनों के मतों की गिनती पूरी कर ली गई।

अब तक प्रदेश के 81 जिला एवं तहसील बार एसोसिएशनों के 21, 304 प्रथम वरीयता मतों की गणना पूरी हो चुकी है। इनमें से 20,514 मत वैध पाए गए हैं, जबकि 790 मत निरस्त घोषित किए गए हैं। चुनाव समिति के सचिव प्रशांत दुबे ने बताया कि मतगणना के अगले चरण में इंदौर की मतपेटियां खोली जाएंगी। चूंकि इंदौर प्रदेश के सबसे बड़े बार एसोसिएशनों में शामिल हैं, इसलिए यहां की मतगणना चुनाव परिणामों पर निर्णायक असर डाल सकती हैं।

टॉप-10 उम्मीदवारों की स्थिति : राकेश सिंह भदौरिया,इंदौर 1174, गौरव मिश्रा,ग्वालियर 1003, जितेंद्र कुमार शर्मा, ग्वालियर , 848, दिनेश कुमार शुक्ला, भिंड 773, डॉ. विजय चौधरी, भोपाल 751, प्रेमसिंह भदौरिया, ग्वालियर 722, राजेश व्यास, भोपाल 709, डॉ. पीसी कोठारी,भोपाल 585, जितेंद्र व्यास, छतरपुर 498, विवेक सिंह, इंदौर 498।

पुलिस मुख्यालय के चर्चे...

• डॉ. शिशिर उपाध्याय

• खुफिया एजेंसियों की लगातार नाकामी

अब ऊपर बैठे जिल्ले-इलाही तक पहुंच गई है। आखिर मालवा क्षेत्र की कुछ बड़ी घटनाएं, फिर ग्वालियर-चंबल संभाग की घटनाएं और खंडवा की घटना सरकार के इस अति महत्वपूर्ण विभाग की नाकामी की कलई खोलती नजर आ रही हैं।

• जोर-आजमाइश

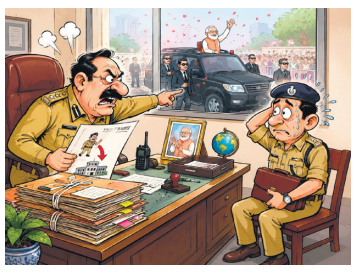

जिस विभाग को भ्रष्टाचारियों पर कठोर कार्रवाई की जिम्मेदारी सौंपी गई है, यदि उसी कार्यालय के कुछ कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगें तो यह थोड़ा अजीब लगता है। इन दिनों इन आरोपों पर कुछ कहने के बजाय दूसरों पर तोहमत लगाने की जोरदार कोशिश जारी है।

• हमसे न हो पाएगा...

एक जिले में पदस्थ बड़े साहब ने अपने अधीनस्थ एक प्रभारी को कोई अति महत्वपूर्ण काम सौंपा था।

काम बहुत महत्वपूर्ण था, लेकिन व्यक्तिगत था। इसलिए छोटे साहब ने मना कर दिया। उसका खामियाजा छोटे साहब को भुगतना पड़ा। आज उन्हें जिला छोड़ना पड़ा।

• तबादलों का असर

मध्यप्रदेश में तबादलों का सीजन पिछले हफ्ते ही निकला है, लेकिन उसके परिणाम रोज नजर आ रहे हैं। देश के सबसे शीर्ष पद पर बैठे माननीय के दौरे के दौरान हुई एक बड़ी चूक के लिए जिम्मेदार मानते हुए एक जूनियर को सजा के तौर पर फील्ड से मुख्यालय पदस्थ कर दिया गया है। लेकिन साहब सफाई देते घूम रहे हैं कि मेरा कसूर तो बताओ। हालांकि, सब चुप हैं।

• भरोसा जिस पर किया, उसी ने ठगा

मालवा क्षेत्र के एक डिप्टी साहब कुछ माननीयों के सहारे पूरी उम्मीद लगाए बैठे थे कि उनका कोई कुछ भी नहीं बिगाड़ पाएगा। तबादला सूची जारी होने तक साहब पूरी तरह निश्चित थे, लेकिन उनकी कुर्सी हिल गई। वे फील्ड में नहीं, बल्कि मुख्यालय पहुंच गए, जिसे लूप लाइन कहा जाता है।

• घर का भेदी लंका ढाए

ह्य'दिया तले अंधेरा' की तर्ज पर एक जिले में नए-नवेले सीधे भर्ती हुए युवा साहब ने बड़ी तैयारी के साथ अचानक छापामार कार्रवाई की योजना बनाई। मामला बड़ा था। इस कार्रवाई से साहब अपना इकबाल बुलंद करना चाहते थे, लेकिन घर के ही किसी भेदिए ने उनके पहुंचने से पहले ही संबंधित लोगों तक खबर पहुंचा दी। अब साहब इस चिंता में परेशान हैं कि उनसे पहले उनकी खबर आखिर कैसे पहुंच गई।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com